

DPN S630

Title : महाप्रत्यांगिरा / MAHĀPRATYĀNGIRĀ

Run. No. 6321

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र शास्त्र / Māhātmya

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 17 X 6

Folios

5

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

(3, 5-9) इत्यनेन व द्वावेनैव मनु / Beginning of 3rd folia
manuscript.

Author / translator

Scribe / donor

धर्मरत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

centimeter 5

10

15

20

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

यादृतिस्मयस्वीवृक्षायानमाख्यावतसर्वधर्मताविकृतिधीनऊना
कायतथागतायादृतिस्मयस्वीवृक्षायानमाख्यावतसर्वधर्मताविकृतिधीनऊना
पुमूर्खकल्याणमस्तुत्यामावर्तयेतानमावृक्षायानमाधर्मताविकृतिधीनऊना
मःसंधायानमःसुकातसिम्पस्वीवृक्षकाटिनीनमाधर्मताविकृतिधीनऊना
नीकाधिसुकातनीनमाधर्मताविकृतिधीनऊना

II-113

०

इती सर्वविग्रहनिवात्रितीयेति विद्याद्यदनी सर्वा कालस्य निवात्र
 ली सर्ववत्तनमो कही ॥ सर्वदूषसत्तनिवात्रली सर्वनिगच्छे इती
 सर्वये कनाकसगुदाधं विधं मनके त्रीवदुना जीनी नांगुदानी विधं
 मनकत्री ॥ असाविंतीनकनालीपुमदनकत्री ॥ असा नांगुदाधं
 विधं मनकत्री ॥ सर्वगन्निवात्रली धात्रदूषदूषप्रविनासली ॥ सर्व

त

७

दवीवकनकपुला ॥ सुवाचनावसेतायदवीवकसत्तकिती ॥ विनिताम
 कतितावआत्मगुतामिपुला ॥ अथनामदामुडागतासमालगता ॥
 समसर्वस्वानोर्ध्वकाकुर्वन्नुस्वासा ॥ तव सर्वदेवताधिसेलमदुर्धिका
 समस्तुर्थसम्पादयन्नुसर्वार्थसिद्धिर्धेददन्तु ॥ ॥ अथपिग
 लापुगीस्त्व ॥ सर्वतथमगताफीषगीतानयन्नेदं दंरुदं ॥ उदीदीदुं

०

centimeter 5

10

15

20

जमनी ॥ उँ हँ दँ डों ॥ सांसां मरुनी ॥ उँ हँ दँ डों ॥ सांसां मादन करी ॥
 उँ हँ दँ डों पत्र विद्या कसुन करी ॥ उँ हँ दँ डों ॥ सांसां सर्वदखानी सु
 मनी ॥ उँ हँ दँ डों वक्र सांसी नीनांगुल सह सांसां विधि सन करी ॥ उँ हँ
 दँ डों मस सर्व सलाना ॥ वक्र १ स्यादा ॥ ॥ उँ हँ दँ डों सर्व न
 धराता क्लीष नीता तप न मदाय प्रहं गिता सदा सह प्रहं ॥ गीत सह

सतीष काटिगत सह प्रननु भूयाना कली ॥ तनी कात्री महावकाद नीर्नी ॥ पु
 वरा मपुल सह सिख वक्तु मस सर्व सलाना वित्र १ स्यादा ॥ नाऊ रया
 नवी नरयात भूगिरयात दूद करयात विषरयात नी कुरयात यन
 वेकरयात दूरि करयात दगिरयात दगिरयात नी काले मरु रयात न
 नी काले मरु रयात दूरि कापात रयादा ऊदरात रयात न वक्र मरु रयात न

कर्यातिष्ठतस्यात्कफवालूकर्यात्स्यपिक्तकर्यात्सर्वरूपदु-
वायस। मापायासाद्यान्॥ सुंदर्या दृढर्या न यक्षर्या न नाक्षर्या
जानगोर्ध्वर्या न भूस्रवर्या न॥ गारूर्या नीमदात्राग्नेदातः॥
मनूष्याग्रदातः॥ श्रेमनूष्याग्रदातः॥ रेतग्रदातः॥ पित्तग्रदातः॥
विभिन्नग्रदातः॥ कूर्माणां ग्रदातः॥ पूटनग्रदानः॥ कटपूटनग्रदा-
ति त्रग्रदातः॥

तः॥ सुचन्द्रगुहातः॥ उत्साहगुहातः॥ अथायागुहातः॥ अथयसात्रगुहातः॥
अथास्त्रकगुहातः॥ अथाकिनीगुहातः॥ अथाकटजाकिनीगुहातः॥ अथात्रवतीगु
हातः॥ अथाजामिकागुहातः॥ अथासूनीगुहातः॥ अथामारुतदीगुहातः॥ अथा
कागुहातः॥ अथासमीकागुहातः॥ अथाभ्रलम्बनगुहातः॥ अथाकटवासिनीगुहातः॥
अथाकटकटवासिनीगुहातः॥ अथासर्वगुहातः॥ २० ॥ अथाकादात्रिंशः॥

॥ अक्षादात्रिंशः ॥

15

10

5

0

CMTS

5

10

15

20

मार्गोदात्रिधमः॥ त्रिभिनादात्रिधमः॥ मांसादात्रिधमः॥ सिंदानकादात्रि
धमः॥ वातादात्रिधमः॥ विरिक्तादात्रिधमः॥ जूस यादात्रिधमः॥ स्पन्द
निकादात्रिधमः॥ विष्टादात्रिधमः॥ विरुद्धादात्रिधमः॥ ११ गोपतर्षास
र्वर्षासर्वगुदकताविद्यादिन्दयास्यसिनाकीनयामिवऊरु॥ पत्रिगुडकता
विद्यादिन्दयास्यसिनाकीनयामिवऊरु॥ जाकजाकिनीकताविद्यादिन्द
का

२५



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

